Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Vermi Compost

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-09-2022**

भूमि के लिए जैविक खाद वरदान : वीसी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्व से अवगत कराया जाएगा।

हकेंविवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-09-2022**

उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रासायनिक खादों के लगातार प्रयोग से एक ओर जहां भूमि बंजर होती जा रही है।

दूसरी तरफ विभिन्न प्रकार के त्वचा संबंधी रोग, कैंसर तथा अन्य असाध्य रोगों के जाल में मनुष्य फंसता जा रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए। प्राकृतिक रूप से तैयार जैविक खाद मनुष्य के स्वास्थ्य के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए।

हकेवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं से दूसरे), प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक ● सौ.प्रवक्ता

कुलपति ने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्त्व से अवगत कराया जाएगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय में बागवानी का कार्य देख रखे कर्मचारियों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का यह प्रयास रोगमुक्त जीवन तथा उपजाऊ भूमि के लिए उपयोगी साबित होंगे।

इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य एवं स्कूल आफ लांग लाइफ लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, सुनील कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, अंकुश, संदीप आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-09-2022**

भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदानः प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 7 सितम्बर (परमजीत, मोहन): वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रासायनिक खादों के लगातार प्रयोग से एक ओर जहां भूमि बंजर होती जा रही है।

दूसरी तरफ विभिन्न प्रकार के त्वचा संबंधी रोग, कैंसर तथा अन्य असाध्य रोगों के जाल में मनुष्य फंसता जा रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए। प्राकृतिक रूप से तैयार जैविक खाद मनुष्य के स्वास्थ्य के साथ-साथ

हकेंवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक।

भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए।

कुलपति ने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केंचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्व से अवगत करवाया जाएगा।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय में बागवानी के कार्य की देख-रेख करने वाले कर्मचारियों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का यह प्रयास रोगमुक्त जीवन तथा उपजाऊ भूमि के लिए उपयोगी साबित होगा।

इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य एवं स्कूल ऑफ लांग लाइफ लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, सुनील कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, अंकुश, संदीप आदि उपस्थित रहे।